

प्रेषक,

श्री के०एस० दरियाल,  
अपर सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
प्रशिक्षण एवं सेवायोजन,  
उत्तरांचल, हल्द्वानी।

श्रम सेवायोजन प्रशिक्षण विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग देहरादून दिनांक: ७ अगस्त-2003

विषय: वित्तीय वर्ष 2003-04 हेतु जनपद पौड़ी गढ़वाल के कोटद्वार नामक स्थान पर  
राजकीय प्रौद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान स्थापित किये जाने की वित्तीय एवं प्रशासनिक  
स्वीकृति किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 5740 / डीटीईयू / 0202 / नये सं० / 04 /  
2003-04, दिनांक 22 जुलाई-2003 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि  
जनपद पौड़ी गढ़वाल के कोटद्वार क्षेत्र में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना  
करते हुये, इसके लिये प्रस्तावित तीन व्यवसाय, इलेक्ट्रानिक्स मेकैनिक्स, विद्युतकार तथा फिटिंग  
हेतु न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुसार कुल 13 पद निम्नलिखित  
विवरणानुसार शासनादेश निर्गत होने की तिथि अथवा पद की भरे जाने की तिथि, जो भी  
बाद में हो से 29 फरवरी, 2004 तक के लिए बशर्ते की ये पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्ण  
सूचना के समाप्त न कर दिये जायें, सृजित किये जाने श्री राज्यपाल महोदय साहब  
स्वीकृति प्रदान करते हैं।

राजकीय श्रौद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, कोटद्वार हेतु पदों का विवरण :-

क्र०सं०	पदों का नाम	स्वीकृत किये जाने वाले पदों की संख्या	वेतनमान
1.	प्रधानाचार्य	01	8000-13500
2.	कार्यदेशक	01	6500-10500
3.	व्यवसाय अनुदेशक	03	5000-8000
4.	अनुदेशक कला/ गणित	01	5000-8000
5.	अनुदेशक सामाजिक अध्ययन	01	5000-8000
6.	सहायक भण्डारी	01	4000-6000
7.	वरिष्ठ सहायक	01	4000-6000
8.	कनिष्ठ लिपिक	01	3050-4590
9.	कार्यशाला परिचर (श्रेणी चार)	01	2550-3200
10.	भण्डार परिचर	01	2550-3200
11.	चपरासी	01	2550-3200

योग :-

13 पद

- 2- उक्त पद के धारकों को उक्त पद के वेतन के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अनुसार अनुमन्य मंहगाई एवं अन्य भत्ते भी देय होंगे।
- 3- उक्त पदों के सृजन के फलस्वरूप तद्विषयक संवर्ग में अस्थाई अभिवृद्धि के रूप में माने जायेंगे।
- 4- उक्त संस्थान हेतु स्वीकृत व्यवसाय, यूनिट तथा प्रशिक्षण स्थान का विवरण निम्नवत् है :-

क्र०सं०	व्यवसाय का नाम	यूनिट	प्रशिक्षण स्थान
1.	इलैक्ट्रानिक्स मकैनिक	01	16
2.	विद्युतकार	01	16
3.	फिटर	01	16

- 5- चौकीदार के पद का कार्य संविदा के आधार पर निष्पादित किया जायेगा।

8- उक्त संस्थान के आवर्तक एवं अनावर्तक व्ययों एवं अधिष्ठान के खर्च हेतु निम्नलिखित विवरणानुसार रुपये 70,53,000.00 (रुपये सत्तर लाख तिरैफन हजार मात्र) की धनराशि के व्यय की भी श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

बजट व्यवस्था :-

क्र०सं०	कोड	मद का नाम	आवंटित- धनराशि (धनराशि हजार रु० में)
1.	01	वेतन	1800
2.	03	मंहगाई भत्ता	1000
3.	04	यात्रा भत्ता	15
4.	06	अन्य भत्ते	200
5.	08	कार्यालय व्यय	60
6.	09	विद्युत व्यय	50
7.	10	जलकर/ जलप्रसार	10
8.	17	किराया उपशुल्क	60
9.	21.	छात्रवृत्ति/ छात्रवेतन	08
10.	26	मशीन साज-सज्जा	3600
11.	42	अन्य व्यय	250
		योग :-	7053

अनावर्तक मदों का वितरण शासनादेश के साथ संलग्न है।

7- व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिनके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।

8- व्यय करते समय बजट मैनुअल वित्तीय हस्त पुस्तिका स्टोर परचेज रूल्स एवं अन्य तद्विषयक आदेशों का अनुपालन किया जायेगा।

9- उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ आपके निवर्तन पर स्वीकृत की जा रही है, कि इकोनोमी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये, यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है, कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन होता हो। व्यय रामदास अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाना चाहिये। व्यय में मितव्ययता नितांत आवश्यक है, मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/ आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये। व्यय उन्हीं मदों में किया जाये जिनके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है। उपकरणों के क्रय में स्टोर परचेज रूल्स का अनुपालन किया जाये, जो उपकरण डी०जी०ए०ए०ए०डी० की दरों पर है, उसे इन्हीं दरों पर क्रय किया जाये। अन्यथा की स्थिति में क्रय में टेंडर/ कोटेशन विधायक शासन के नियमों का अनुपालन किया जायेगा।

10- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2003-04 की अनुदान संख्या-16 मुख्य लेखाशीर्षक-2230- श्रम तथा रोजगार, 03- प्रशिक्षण, 003- दस्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण, 03- दस्तकार प्रशिक्षण योजना एवं अधिष्ठान, आयोजनागत- 00 के अन्तर्गत प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा।

11- यह आदेश वित्त विभाग के अशाकीय संख्या- यूओओ/837 / दि०अनु०- 3/2003, दिनांक : 04, अगस्त- 2003, के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

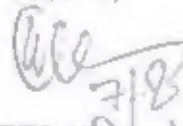
संलग्न : 21/2004/15

भवदीय,

(के०एस० दरियाल)  
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 2345 (1)/श्रम सेवा/477-प्रशि०/ 2003, तददिनांकित :-  
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
2. सम्बन्धित जनपद के कोषाधिकारी
3. प्रधानाचार्य, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, कोटद्वार (पौड़ी गढ़वाल)।
4. उपनिदेशक, राजकीय मुद्रणालय, रुढ़की को इस आशय से प्रेषित की गयी कृपया उक्त सूचना को राजपत्र के आगामी अंक में प्रकाशित कर वांछित प्रतियां साशन को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।
5. वित्त अनुभाग- 3
6. गार्ड-फाइल।

आज्ञा से,  
  
(के०एस० दरियाल)  
अपर सचिव।